शुक्रवार
21 अप्रैल 2023

पृष्ठ 4

चेहरे को गजब का निखार देगा अनार का फेस पैक

पृष्ठ 5

हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल में स्पाइ बनी हैं प्रियंका चोपड़ा

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 81
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

निराशा के समान दूसरा पाप नहीं। आशा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश है तो निराशा घोर अंधकार है।

— रश्मिमाला

इंतजार खत्मः चार धाम यात्रा शुरू

❑सीएम धामी ने दिखाई पहले जत्थे को हरी झंडी

विशेष संवाददाता

ऋषिकेश/हरिद्वार। विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा का आगाज हो चुका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ऋषिकेश से गंगोत्री जाने वाले पहले यात्री जत्थे की बसों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा पर रवाना करते हुए यात्रियों को शुभकामनाएं दी। लंबे इंतजार के बाद शुरू हुई चार धाम यात्रा को लेकर जहां श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया वहीं स्थानीय लोग व राज्य वासियों में भारी खुशी है।

कल 22 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट खुलने हैं। एक दिन पहले आज ऋषिकेश और हरिद्वार से यात्रियों का पहला जत्था चार धाम यात्रा के लिए रवाना हो चुका है। जो कल 22 अप्रैल को मां गंगोत्री और मां यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का साक्षी बनेगा। यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

●सभी को कराएंगे दर्शन, बिना दर्शन कोई नहीं जाएगा

●हरिद्वार से भी सैकड़ों बसें यात्रा पर निकली

श्रद्धालुओं ने की उत्तराखण्ड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

हरिद्वार/ऋषिकेश। देश के कोने कोने से आने वाले यात्री हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंच रहे हैं। हरिद्वार पर्यटन भवन में बने रजिस्ट्रेशन सेंटर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। 11 बजे रजिस्ट्रेशन विंडो खुलने व डेढ़ बजे बंद हो जाने पर यात्रियों में भारी रोष देखा गया और उन्होने उत्तराखण्ड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रजिस्ट्रेशन के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े लोग घंटों परेशान रहे उनका कहना था कि रजिस्ट्रेशन काउंटर सुबह 8 बजे से खोले जाने चाहिए थे लेकिन वह 11 बजे खोले गए और डेढ़ बजे बंद कर दिये गये। उन्होने इसे उत्तराखण्ड सरकार की लापरवाही बताया। ठीक इसी तरह का नजारा ऋषिकेश में भी देखा गया जहां रजिस्ट्रेशन के लिए यात्रियों में मारामारी देखी गई कई लोग शासन प्रशासन की व्यवस्थाओं को कोसते नजर आए।

ज्वैलरी शॉप में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार, 20 लाख की ज्वैलरी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वैलरी शाप में हुई लाखों की ज्वैलरी चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने मात्र 24 घंटो की भीतर ही दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से पुलिस ने चुराये गये 20 लाख के जेवरात भी बरामद किये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शेख मोनिबर एमआर ज्वैलर्स शिवाजी कालोनी द्वारा उनकी एमआर ज्वैलर्स की दुकान से अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैग जिसमे नगदी व ज्वैलरी रखी थी, चोरी करने संबंधी मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना के खुलासे हेतु एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के क्रम में कोतवाली रुड़की व कोतवाली गंगनहर की संयुक्त टीम द्वारा घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों मुसर्रफ उर्फ शाहिद उर्फ पप्पू व मीर आलम को नहर की पटरी सोनाली पुल के पास दबेचा गया। जिनके पास से पुलिस ने चोरी किये गये 20 लाख रूपये के जेवरात भी बरामद किये है। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों चोरों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

गोधरा कांडः 8 अभियुक्तों को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को साल 2002 में हुए गुजरात के गोधरा कांड में 8 अभियुक्तों को जमानत दी है। फरवरी 2002 में हुई इस घटना में गोधरा रेलवे स्टेशन में ट्रेन की बोगी में आग लगा गई थी। इसमें 58 यात्री जिंदा जलकर मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर कारसेवक थे जो कि अयोध्या से लौट रहे थे। इसी घटना के बाद गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में दंगे भड़के। शीर्ष अदालत ने कहा था कि दोषी 17 साल से जेल में है और उसकी भूमिका ट्रेन पर पत्थर फेंकने की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी फारूक द्वारा दायर जमानत का आवेदन मंजूर किया जाता है, जबकि यह देखते हुए कि वह 2004 से हिरासत में है, और दोषसिद्धि के खिलाफ उसकी अपील भी शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि आवेदक को सत्र न्यायालय द्वारा लगाए गए नियमों और शर्तों के अधीन जमानत दी जाती है। राज्य सरकार के अनुसार, आरोपी फारूक ने भीड़ को उकसाया और कोच पर पथराव किया, यात्रियों को घायल किया और कोच को क्षतिग्रस्त कर दिया। मार्च 2011 में, ट्रायल कोर्ट ने इस केस में 31 लोगों को दोषी ठहराया, उनमें से 11 को मौत की सजा सुनाई गई और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। जबकि 63 आरोपियों को बरी कर दिया गया।

दिल्ली के साकेत कोर्ट में महिला को मारी गोली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में शुक्रवार को 4 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें एक महिला घायल हो गई। गोलियों की आवाज सुन मौके पर दिल्ली पुलिस के जवान पहुंच गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला आज अदालत में बयान देने के लिए पहुंची थी। वह एक मामले में गवाह है। इसी दौरान उसे गोली मार दी गई। फिलहाल उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में शुक्रवार को अदालत खुलते ही फायरिंग की घटना होने से अफरातफरी मच गई। फायरिंग की शुरू होते ही लोग खौफ में आ गए और जान बचाने के इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि साकेत कोर्ट में हमलावर वकील के भेष में आये थे। हमलवारों ने

महिला को पहचानते ही चार गोली मारी। महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी पुलिस की सहायता से महिला को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान उपचार कराने के लिए ले गए।

हमलावर का की पहचान कामेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ बिनोद सिंह के रूप में हुई है जो एक वकील है. आरोपी को काउंसिल ने एक अलग मामले में निलंबित कर दिया था। दावा किया जा रहा है कि हमलावर वकील ने पीड़ित महिला को 25 लाख रुपये दिए थे और बाद में महिला पैसा लौटाने में आनाकानी कर रही थी। दिल्ली पुलिस ने घटना पर बयान जारी करते हुए कहा, श्साकेत कोर्ट में सुबह 10.30 बजे फायरिंग की घटना की सूचना मिली। घायल एम राधा नाम की महिला की उम्र 40 से अधिक है। महिला के पेट में दो तथा हाथ में एक गोली लगी है, जिसे मैक्स साकेत अस्पताल ले जाया गया है. आरोपी की पहचान हो गई है। आरोप है कि पीड़िता और अधिवक्ता राजेंद्र झा के खिलाफ साकेत कोर्ट में 420 का मुकदमा दर्ज था, जिसकी आज सुनवाई होनी थी।

दूसरी तरफ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा है कि राजधानी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मॉक ड्रिल में व्यवस्थाएं फेल

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और अफसर भले ही चार धाम यात्रा की तैयारियों को लेकर बड़े-बड़े दावे और बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हो लेकिन बीते कल एनएमडीसी के दिशा निर्देश पर की गई मॉक ड्रिल के दौरान इसकी जमीनी हकीकत सामने आ गई। खास बात यह है कि किसी भी मॉक ड्रिल का उस समय कोई अर्थ नहीं रह जाता जब इसकी सूचना 4 दिन पहले ही सभी विभागों को दे दी गई। लेकिन यह हैरान करने वाली बात है कि चार धाम की व्यवस्थाओं से जुड़े सभी विभागों को इसकी पूर्व जानकारी थी इसके बावजूद भी आपदा प्रबंधन के लिए टीमों का समय पर नहीं पहुंचना तथा अस्पतालों में घायलों के इलाज की उचित व्यवस्था न होना तथा घायलों का ट्रैफिक जाम में फंसना, अस्पतालों द्वारा स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना तक न देना और घायलों को भर्ती करने के लिए कंप्यूटर की बजाए रजिस्टर में ही रजिस्ट्रेशन करना आदि अनेक अव्यवस्थाओं के मिलने पर केंद्रीय अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताई है। इस मॉक ड्रिल का आयोजन रियल्टी चेक के लिए किया गया था लेकिन यह इसमें फेल साबित हुआ है अब आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव रंजीत सिन्हा कह रहे हैं कि दोबारा से मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा और इसकी तारीख व समय को गोपनीय रखा जाएगा। सूबे की अफसरशाही कितनी गंभीरता से काम करती है? इसका खुलासा इस बात से होता है कि जब उनसे आपदा से निपटने का प्लान तैयार करने को कहा जाता है तो वह गूगल से भुवनेश्वर का आपदा प्लान कॉपी कर पेश कर देते हैं। बीते कल हुई मॉक ड्रिल के समय जब तक सीएम की मौजूदगी रही तब तक तो अफसर भी दिखाई दिए लेकिन सीएम के जाते ही यह अफसर भी खिसक लिए। इस मॉक ड्रिल का आयोजन गढ़वाल मंडल के सात जिलों में 16 स्थानों पर किया गया था लेकिन चार धाम यात्रा की तैयारियों में जुटे तमाम विभागों के बीच किसी भी तरह का समन्वय देखने को नहीं मिला जबकि इन सभी विभागों को समय-समय पर हिदायतें दी जाती रही है कि वह आपसी समन्वय बनाकर रखें दून के एक क्षेत्र में बाढ़ की सूचना और लोगों के फंसे होने की खबर ऋषिकेश बस स्टैंड पर भगदड़ की सूचना यात्री वाहन के खाई में गिरने की सूचना व भूकंप आदि की सूचनाएं देकर किए गए इस माक ड्रिल से यह साबित हो गया है कि आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर यातायात व पुलिस व्यवस्था आदि सबकुछ राम भरोसे ही है। राज्य में सड़कों की हालत इतनी अधिक खराब है कि यात्रा मार्गों पर सड़कों में ऐसे डेंजर जोन बन चुके हैं कि जहां भूस्खलन और भू धसांव के गंभीर खतरे हैं जिनसे यात्रियों को दो-चार होना पड़ेगा। सरकार और सभी विभागों के पास उत्तरदायित्व व जवाबदेही से बचने का खराब मौसम एक मुफीद बहाना है। बीते साल यात्रा प्रबंधों की खामियों का हर्जाना यात्रियों को ही नहीं उन बेजुबान घोड़े खच्चर तक को भोगना पड़ा जिनकी व्यवस्थापक खामियों के कारण बड़ी संख्या में मौतें हुई थी। देखना यह है कि पूर्व वर्षों से अधिक बेहतर इंतजाम करने का दावा करने वाला शासन प्रशासन इन चारधाम यात्रियों को कितनी सुरक्षित व सुगम यात्रा करा पाता है?

कार्यो में लापरवाही बरतने पर लोनिवि अधिशासी अभियंता पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जौलीग्रांट से ऋषिकेश तक सडक निर्माण व गडढा मुक्त करने के कार्यो में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी के आदेश पर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता धीरेन्द्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने जौलीग्रांट से ऋषिकेश तक के सड़क निर्माण/ गड्ढा मुक्त करने के कार्यों में लापरवाही बरतने पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को लो नि वि के संबंधित अभियंता के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में उप जिलाधिकारी ऋषिकेश में लोनिवि के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार के विरुद्ध रानीपोखरी थाने में तहरीर दी है। रानीपोखरी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स समुद्रो अपीच्यस्तुरो द्यामिव रोहति नि यदासु यजुर्दधे।
स माया अर्चिना पदास्तृणान्नाकमारुहन्नभन्तामन्यके समे॥

(ऋग्वेद ८-४१-८)

परमेश्वर हम सभी के अंदर विद्यमान है। जिस प्रकार सूर्य के उदय होने पर अंधकार समाप्त हो जाता है उसी प्रकार प्रभु के स्मरण से वासना का अंधकार समाप्त हो जाता है। हम परहित के कर्म करते हैं। जिससे हमें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

God is present within all of us. Just as darkness ends with the rising of the sun, similarly, the darkness of lust ends with the remembrance of the Lord. We do good deeds through which we get salvation. (Rig Ved 8-41-8)

'बर्फ' मां गंगा का आभूषण भी है और श्रृंगार भी

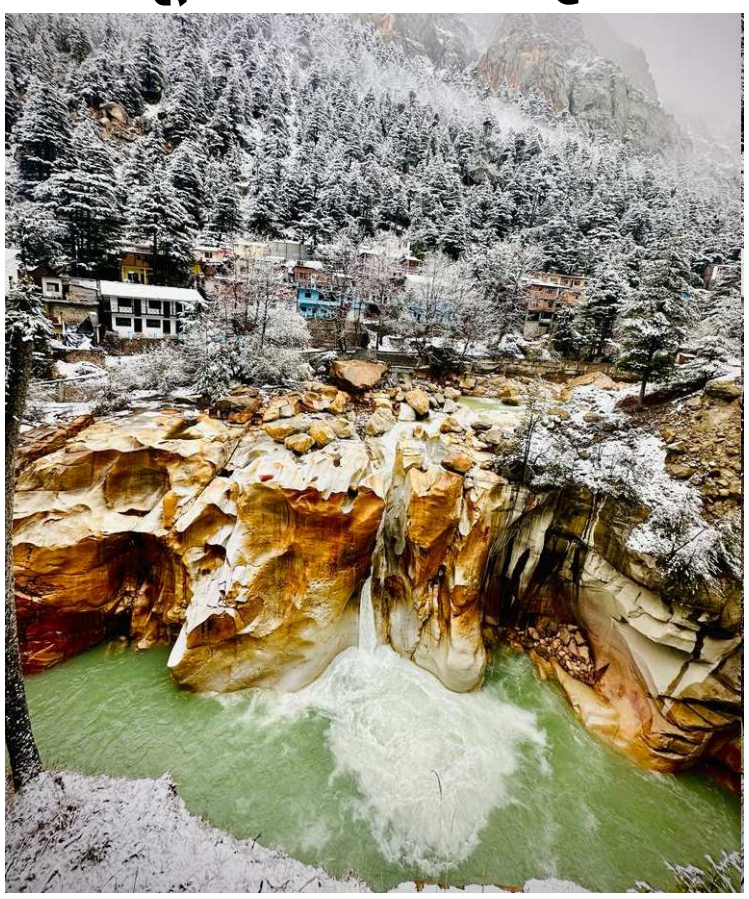

22 अप्रैल 2023 को मां गंगा जी के कपाट खुलने हैं। श्रद्धा उमंग उम्मीदों और विश्वास के कपाट खुलने से इंसान ही नहीं प्रकृति भी अति रोमांचित है, व्याकुल है मां गंगा जी से मिलन के लिए। इसीलिए तो प्रकृति ने मां गंगा जी के आने के सभी रास्तों को जल से नहीं अपने अमूल्य उपहार बर्फ से धोने के साथ ही समूचे गंगोत्री धाम में बर्फ की झक सफेद कालीन बिछा दी है। जमीन ही क्या सभी दिव्य पेड़ पौधों देवदार, भोज वृक्षों के ऊपर भी बर्फ को मोटी सफेद चादर ओढ़ा दी है। महसूस हो रहा है कि मानो प्रकृति भी कपाट खुलने से पहले समूचे गंगोत्री धाम को दिल खोलकर सजाने संवारने का काम करने में मशगूल है। पिछले तीन दिनों से गंगोत्री धाम (समुद्रतल से 3140 मीटर) में जमकर बर्फबारी हो रही है।

विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट यानी कल अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाने हैं। दोनों धामों में कपाट उद्घाटन के साथ श्रद्धालु बर्फबारी का भी दीदार करेंगे।

दोनों धामों में कपाटोद्घाटन की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। मुखीमठ मुखबा से मां गंगा की उत्सव डोली आज रवाना होंगी। वहीं खरसाली से मां यमुना की डोली शनिवार सुबह यमुनोत्री धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

यह पहला मौका है जब यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में श्रद्धालु कपाटोद्घाटन के शुभ मूहर्त पर बर्फबारी का दीदार करेंगे। कुदरत की मेहरबानी से अप्रैल जैसे गर्मी के माह में दोनों धाम बर्फबारी से लकदक हैं। यदि कोई श्रद्धालु कपाटोद्घाटन के मौके पर मां गंगा और यमुना के दर्शन के लिए आ रहे हैं, तो अपने साथ गर्म वस्त्र जरूर लेकर आए। क्योंकि बर्फबारी के कारण दोनों धामों में ठंड का प्रकोप बढ़ा है।

मुखीमठ मुखबा से ढोल बाजो वा सेना की बैंड पार्टी की धुन पर भावुकता के साथ मां गंगा की डोली आज 12 बजकर 15 मिनट पर प्रस्थान करेगी। आज मां गंगा रात्रि विश्राम भैरो घाटी में करेगी। अगले दिन सुबह गंगोत्री धाम पहुंचेगी।

उधर, खरसाली से मां यमुना की डोली अपने भाई शनि महाराज (सोमेश्वर देवता) की अगुवाई में यमुनोत्री धाम के लिए 22 अप्रैल सुबह रवाना होगी।

गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष रावल हरीश सेमवाल ने बताया कि धाम में कपाट उद्घाटन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर ज्यादा से ज्यादा से श्रद्धालुओं से मां गंगा के दर्शन का न्योता दिया है।

बर्फ ही मां गंगा जी के आभूषण हैं और श्रृंगार भी। बर्फ है तो मां गंगा जी हैं। इसीलिए कपाट खुलने से पहले मां गंगा जी ने बर्फ के आभूषणों से श्रृंगार कर स्वयं गंगोत्री धाम को भी बर्फ से लकदक कर दिया है।।

प्रस्तुतिः लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

अवैध खनन के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही, 1 जेसीबी व 3 ट्रक सीज

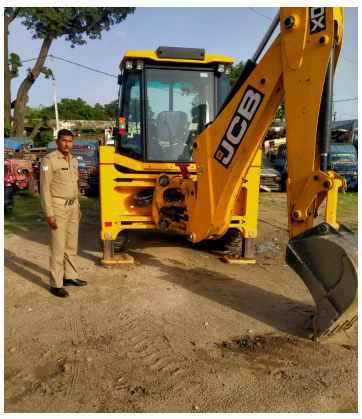

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अवैध खनन के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक बिना नम्बर के जेसीबी व 3 ट्रक सीज कर दिये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार अजय सिंह के आदेशानुसार चलाये गये अभियान के अन्तर्गत थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये (1 जेसीबी) बिना नम्बर व 3 ट्रक, (दो 22 टायर व एक ट्रक 18 टायरा) को अवैध खनन में सीज गया। सीज जेसीबी व ट्रको की खनन सम्बन्धी रिर्पोट सम्बन्धित को प्रेषित की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 3 क्विंटल से ज्यादा मिलावटी पनीर पकड़ा

काशीपुर (कासं)। काशीपुर खाद्य सुरक्षा विभाग व एफडीए विजिलेंस देहरादून की टीम ने भारी मात्रा में मिलावटी पनीर पकड़ा है। मिलावटी पनीर यूपी के रामपुर से कार से लाया जा रहा था। इसकी भनक खाद्य सुरक्षा विभाग व एफडीए विजिलेंस देहरादून की टीम को लग गई। कार को रोक कर जब चेकिंग की गई तो डिग्गी में भारी मात्रा में मिलावटी पनीर बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि मिलावटी पनीर रामनगर के एक रिसॉर्ट में लाया जा रहा था। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ललित मोहन पांडे के मुताबिक उत्तराखंड खाद्य संरक्षा आयुक्त आर राजेश कुमार के निर्देश पर मिलावट खोरों पर कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा उपायुक्त गणेश चंद्र कंडवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम एवं एफडीए विजिलेंस देहरादून के एसआई जगदीश रतूड़ी के नेतृत्व में संयुक्त रूप से छापेमारी कर मिलावटी पनीर पकड़ा गया। टीम ने सुबह चार बजे 3 क्विंटल 30 किलो मिलावटी पनीर बरामद किया। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया में पनीर मिलावटी प्रतीत हो रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी काशीपुर और जसपुर पवन कुमार द्वारा पनीर के सैंपल लेकर तत्काल जांच के लिए रुद्रपुर भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मिलावटी पानीर ला रहे दोनों व्यक्तियों ने पूछताछ में बताया कि वो यह पनीर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर के टांडा से ला रहे थे, जहां इसकी फैक्ट्री संचालित है। वह यह काम लंबे समय से कर रहे थे और निजी वाहन से सप्लाई करते हैं।

फोन कर मां बेटी को परेशान करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फोन पर अश्लील बाते कर मां बेटी को परेशान करने वाले के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंआवाला नकरौदा निवासी महिला ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आज से 6 महीने पूर्व उसके फोन पर अलग-अलग नंबर से फोन आया करते थे और फोन पर अश्लील बातें बोलता था फिर जब वह ज्यादा परेशान हो गई तो उसके द्वारा हर्रावाला पुलिस चौकी पर उसने एक प्रार्थना पत्र दिया था और उनको अश्वासन मिला था कि अब कोई फोन नहीं करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हाल ही में उसको उसकी बिटिया की दोस्त से यह जानकारी मिली कि मेरी बिटिया के नाम से अलग-अलग फैक आईडी बनाकर कई तरह की अश्लील फोटो इंस्टाग्राम में डाल रहा है। जिससे मेरी बिटिया बहुत सदमे में है। बिटिया की दोस्त से सूचना मिलने पर उसने इंस्टाग्राम चैक किया तो देखा उसकी बिटिया की नाम से अलग-अलग आईडी बनाकर चला रहा है। जिससे वह और उसकी बिटिया बहुत मानसिक पीड़ा से गुजर रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट कर जमीन पर कब्जा करने के प्रयास में आठ लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर जमीन पर कब्जा करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मारखमग्रांट निवासी अमर सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वहं एक गरीब व्यक्ति हैं तथा हरिजन समाज से है। उसकी भूमि जो कि स्थित मार्खमग्रांट-द्वितीय देहरादून में है, इस भूमि में कुछ भू-माफिया द्वारा भूमि में आकर खुर्द-बुर्द के साथ अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे और भूमि पर गढ़े पोलों को तोड़ने लगे, जब उसने इन लोगों को रोकने की कोशिश की तो इन लोगों ने उसके साथ मारपीट के साथ साथ मां बहन की गालियां देने लगे और कह रहे थे कि चमार साले निकल जा यहां से नहीं तो तुझे आज हम जान से मार देंगे। मारपीट करने वालों में नदीम खान निवासी मोरोवाला मंजीत सिंह सिंधु निवासी रेस कोर्स, महेंद्र बनवाल पुत्र श्रीकृष्ण बनवाल निवासी चकशाह नगर, मेहताब, एहसान, असलम अली निवासी बुल्लावाला, इसरार निवासी मोरोबाला, सकलानी है। जिनसे उसको जानमाल का खतरा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

टीएचआर के भुगतान को लेकर मोर्चा ने दी शासन में दस्तक

नगर संवाददाता

देहरादून। आंगनवाड़ी केंद्रों को आपूर्ति होने वाले टेक होम राशन (टीएचआर) का भुगतान कराने की मांग को लेकर जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सचिव, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग हरि चंद्र सेमवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। हरि चंद सेमवाल ने आश्वासन दिया कि शासन द्वारा दो-तीन दिन के भीतर राज्य के संसाधनों से लगभग 50 करोड़ रूपये जारी हो जाएंगे। बता दें कि दो-तीन सप्ताह पहले मोर्चा द्वारा सेमवाल से भुगतान कराए जाने को लेकर वार्ता की गई थी, जिसमें उनके द्वारा आश्वासन दिया गया था कि भुगतान बहुत जल्द हो जाएगा, लेकिन कुछ वित्तीय एवं तकनीकी कारणों से भारत सरकार से धनराशि जारी नहीं हो सकी। नेगी ने कहा कि समूह से जुड़ी महिलाओं को जून 2022 से नवंबर 2022 तक का सरकार द्वारा टीएचआर का भुगतान नहीं किया गया है, जिस कारण व्यापारियों की देनदारी ने इनका जीना दूभर कर दिया है तथा व्यापारी इनको नोटिस पर नोटिस भेज रहे है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

केदारनाथ धाम यात्रा को स्वच्छ एवं सुगम बनाने को लेकर निकाली स्वच्छता जागरुकता रैली

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2023 को स्वच्छ एवं सुगम बनाने के लिए केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में आज गुप्तकाशी, विद्याधाम से जिला प्रशासन एवं सेवा इंटरनेशनल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता जागरुकता रैली का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ जिला कार्यक्रम अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वच्छता अभियान अखिलेश मिश्र, जिला पंचायरत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत एवं सेवा इंटरनेशल संस्था के जिला प्रभारी मनोज बेंजवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वच्छता अभियान अखिलेश मिश्र ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि स्वच्छता जागरुकता रैली में बड़ी संख्या में गुप्तकाशी के विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों की उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवकों, महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, महिला मंगल दल, सेवा इंटरनेशनल के कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधान और स्थानीय जनता द्वारा श्री श्री विद्याधाम से जन जागरुकता रैली गुप्तकाशी के बाजार तक निकाली गई। रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों द्वारा पूरे समय स्वच्छता और सफाई संबंधी नारे लगाते हुए मुख्य मार्ग पर पड़े कूड़े को इकट्ठा किया गया तथा दुकानदारों को अपनी दुकानों के आगे सूखे और गीले कूड़े के लिए अलग-अलग कूड़ादान रखने का आग्रह किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा दुकानों और वाहनों पर लगाए जाने वाले स्टिकर्स भी लगाए गए। कार्यक्रम के समापन स्थल पर जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा उपास्थित जन समुह को संबोधित करते हुए कहा गया कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा न केवल पूरी दुनिया में अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के कारण विख्यात है अपितु यह हमारी आर्थिकी का भी बहुत बड़ा संबल है।

स्वच्छता जागरुकता रैली में सीडीपीओ ऊखीमठ देवेंद्र कुंवर, कर अधिकारी जिला पंचायत गोविंद तिवारी, ग्राम प्रधान गुप्तकाशी प्रेम सिंह, समाज सेवी नीरज कुमार, चाणक्य कपरुवान, सोनम भंडारी, उपासना सेमवाल सहित क्षेत्र के व्यवसायी एवं जन प्रतिनिधि एवं महिला मंगल दल के सदस्य व सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भूस्वामी की शिकायत पर तीन भूमाफियों पर मुकदमें दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भूखण्ड कब्जाने का प्रयास करने व असफल रहने पर गाली गलौज, धमकी देने व विवादित जमीन पर खण्डित मूर्तियां डालकर धार्मिक रूप देने के मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर तीन भूमाफियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शहर कोतवाली में लुधियाना पंजाब निवासी देवी दयाल शुक्ल पुत्र कमला प्रसाद शुक्ल द्वारा तहरीर देकर बताया गया कि उत्तरप्रदेश के तीन भूमाफियाओं द्वारा भूपतवाला स्थित उनके भूखंड पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। बताया कि असफल रहने पर उन्होने उन्हे गाली-गलौच व धमकी भी दी गयी। साथ ही बताया कि उक्त भूमाफियाओं द्वारा उक्त जमीन पर खण्डित धार्मिक मूर्तियां डालकर प्रकरण को धार्मिक रूप दिया जा रहा है।

धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला होने के चलते प्रकरण का संज्ञान लेते हुए एसएसपी अजय सिंह द्वारा शहर कोतवाल भावना कैंथोला को तत्काल प्रार्थनापत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर ठोस विवेचना के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के क्रम में कोतवाली नगर हरिद्वार में पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जिस पर विवेचक द्वारा उक्त कुल 3650 वर्गफुट विवादित जमीन एवं धार्मिक भावनाओं को भड़काने सम्बन्धी आरोपों की गहनता से जांच की जा रही है। मामले में आरोपियों के नाम समीर गुफ्ता पुत्र स्व. रणवीर कुमार गुप्ता निवासी शक्ति खण्डवाला कलापुरम गाजियाबाद उ.प्र., वीर विक्रम सिंह पुत्र अशोक कुमार निवासी लवकनी थाना गौरी बाजार देवरिया उ.प्र. व अमित जैनी पुत्र लखमीचन्द जैनी निवासी सेक्टर-83 नोएडा उ.प्र. व तीन अन्य अज्ञात बताये जा रहे है।

आप ने मेयर की सम्पत्तियों की जांच की मांग विजिलेंस से की

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विजिलेंस कार्यालय पहुंच मेयर सुनील उनियाल गामा की सम्पत्तियों की जांच की मांग की।

आज यहां आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सतर्कता कार्यालय (विजिलेंस) पहुंचकर आय से अधिक संपत्ति एवं भ्रष्टाचार के मामले में देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा के विरुद्ध जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी ने राज्य सरकार को जीरो टोलरेंस के मामले घेरते हुए कहा जिनका मेयर ही भ्रष्टाचारी हो वे क्या जीरो टॉलरेंस की बात करेंगे। इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र आनंद ने मेयर गामा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गामा ने जो तर्क पैसे कमाने का बताया है वह गले नहीं उतरता क्योंकि कोई भी व्यक्ति चाउमीन बेचकर करोड़ों रुपए नहीं कमा सकता हां यदि उस चाउमीन को बेचने में उनकी मदद तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने की है तो निश्चित तौर पर उत्तराखंड की जनता को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर मेयर साहब ने इतनी संपत्ति इकट्ठा की होगी। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने भी गामा पर तीखा हमला बोलते हुए जल्द से जल्द जांच की मांग की। प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना और कमलेश रमन ने भी राज्य सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा। इस पर एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने इस मामले की जांच कर कारवाई होने को आश्वस्त किया। इस मौके पर रिहाना परवीन, अशोक सेमवाल, सुशील सैनी, दीपक नीमरिनाया, विपिन नेगी, सुधा पटवाल आदि मौजूद रहे।

परेशान कर रही हैं पैरों की रूखी त्वचा, इन टिप्स की मदद से दूर होगी

पैरों की रूखी त्वचा ज्यादा परेशान करती हैं और इससे खुजली की समस्या खड़ी हो जाती हैं। कई बार पैर सूज जाते हैं या फिर दरार दिखने लग जाती है और पैरों में रूखेपन की वजह से चलना भी मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से पैरों की रूखी त्वचा को दूर करने में मदद मिलेगी। तो आइये जानते हैं किस तरह मुलायम और कोमल त्वचा पाने के लिए आपको त्वचा का ख्याल रखना चाहिए।

स्क्रब से हटाएं डेड स्किन सेल्स

अपने पैरों की रूखी त्वचा को खत्म करने के लिए आप घरेलू स्क्रब की मदद से सबसे पहले डेड स्किन सेल्स को हटाए। इसके लिए आप थोड़ा शहद, चीनी और गर्म पानी को एक साथ मिलाकर अपने पैरों पर लगाएं और अच्छी तरह से मसल कर डेड स्किन सेल्स को हटाए। यह आपके पैरों को मुलायम और चमकदार बना देगा और पैरों से डेड स्किन सेल्स भी निकल जाएंगे। इसके साथ ही आप मॉश्चराइजर का भी जरूर इस्तेमाल करें। इससे पैरों का रूखापन कम होता है।

लें एलोवेरा की मदद

एलर्जी के कारण भी पैरों की त्वचा ड्राय हो सकती है, इस समस्या को दूर करने के लिए आप एलोवेरा का इस्तेमाल करें। एलोवेरा जेल को आप पत्ते से निकालकर सीधे पैर पर एप्लाई करें और 2० मिनट बाद पैरों को धो लें। आपको खुजली, त्वचा की पीलिंग या क्रैक्स को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर आपके पैरों का रूखापन किसी मेडिकल कंडीशन के कारण है तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। पैरों को रूखी त्वचा से बचाने के लिए आपको उसे सूरज की किरणों से बचाकर रखना चाहिए, यूवी रेज पैरों की त्वचा को रूखा बनाने का काम करते हैं।

गर्म पानी मे रखें पैर

पैरों से रूखेपन को कम करने के लिए आप यह घरेलू नुस्खा भी आजमा सकते हैं। एक कटोरा या टब में अच्छे से गर्म पानी लेकर उसमें नींबू और शैंपू डालकर करीब 3० मिनिट तक पैर रखें और मसले। ऐसा करने से भी डेड स्किन सेल्स निकल जाएंगे, पैरों की रूखी त्वचा से भी आपको छुटकारा मिलेगा और पैर मुलायम व साफ दिखेंगे। ऐसा करने से भी डेड स्किन सेल्स जल्दी अपनी जगह छोड़ देंगे।

प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल

प्यूमिक स्टोन प्राकृतिक लावा से बना पत्थर होता है, जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को बहुत अच्छी तरह हटा देता है। पैरो में कड़े घट्टे (कैलस) हों तो उन्हें प्यूमिक स्टोन नर्म कर देता है। कैलस या त्वचा की मृत कोशिकाओं पर प्यूमिक स्टोन को सौम्यता से रगड़ें। सर्कुलर मोशन में और आगे-पीछे घुमाते हुए प्यूमिक स्टोन से अपनी त्वचा को साफ़ करें।

मॉइश्चराइजर और तेल का करें इस्तेमाल

पैरों को रूखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना बहुत ज्यादा जरूरी है क्योंकि मॉइश्चराइजर सर्दियों में रूखी त्वचा और फटे हुए पैरों से छुटकारा दिलाने में काफी मददगार भूमिका अदा करते हैं। रूखी और सख्त त्वचा को मुलायम बनाने के लिए रोज रात में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए। पैरों में मॉइश्चराइजर लगाकर मोजे पहनकर सोना चाहिए। मॉइश्चराइजर के अलावा आप नारियल तेल या बादाम तेल या फिर सरसों का तेल भी लगा सकते हैं। पैरों की अच्छे से मालिश जरूर करें क्योंकि इससे भी डेड स्किन सेल्स निकल जाते हैं। पैरों की त्वचा भी मुलायम होती है और रूखेपन से भी छुटकारा मिलता है।

पहने मोजे

विंटर सीजन रूखे पन से पैरों को बचाने के लिए मोजे पहना बहुत ज्यादा जरूरी है क्योंकि मोजे धूल मिट्टी को सीधे पैरों तक नहीं पहुंचने देते हैं। अगर आप ज्यादा देर तक खड़े हो रहे हैं या फिर कहीं बाहर जा रहे हैं तो आप कोशिश करेंगे की मोज़े जरूर पहने घर में चप्पल भी पहन कर रखें। साथी मोज़े भी जरूर पहने क्योंकि यहां आपको रूखेपन से भी बचाएंगे और पैरों को फटने से भी रुकेंगे।

त्वचा को हाइड्रेट करें

आपको रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना चाहिए। रोजाना 8 से 1० गिलास पानी का सेवन करें। पानी के अलावा भी आपको स्टार्च और चीनी मुक्त तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए। आप अपनी डाइट में नारियल पानी, नींबू पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। बहुत से लोग त्वचा में हाइड्रेशन के लिए जूस का सेवन करते हैं पर आपको बता दें कि जूस में फल के रेशे मौजूद नहीं होते हैं एक्सपर्ट्स के मुताबिक उसे आप चीनी का घोल कह सकते हैं। आपको उसे अवॉइड करना चाहिए। त्वचा को तरल पदार्थ और पानी से हाइड्रेशन मिलेगा तो त्वचा में रूखापन नहीं नजर आएगा।

सही फुटवेयर का करें चयन

विंटर सीजन में सही फूड अफेयर का चयन करना बहुत ही जरूरी है। वैसे तो आपको कोशिश करना चाहिए कि आप जूते या फिर पैरों को पूरी तरह से कवर करने वाले शूज पहने और हो सके तो मोजे भी जरुर पहनें। लेकिन अगर आप हिल्स या फिर सैंडल पहन रहे हैं तो आपको मॉइश्चराइजर लगाने के बाद ही फुटवियर पहनना चाहिए।(आरएनएस)

चेहरे को गजब का निखार देगा अनार का फेस पैक

फल सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। कई फलों का इस्तेमाल फेस पैक के तौर पर किया जाता हैं। इन्हीं में से एक फल हैं अनार जो विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होने के कारण चेहरे को गजब का निखार देने में मदद करता हैं। स्किन में अनार के नियमित इस्तेमाल से आप मुलायम और ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको अनार से बने कुछ फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से स्किन पर होने वाले दाग, धब्बों, झुर्रियों, मुहांसों और हाइपरपिग्मेंटेशन से छुटकारा पाया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इन फेस पैक के बारे में...

अनार और दही का फेस पैक

यह स्किन को टोन करने के लिए बेहद लाभदायक होता है। साथ ही ये स्किन में नमी को लॉक कर देता है, जिससे त्वचा ग्लो करने लगती है। दही और अनार का फेस पैक बनाने के लिए आपको सबसे पहले 1 चम्मच दही को 3 चम्मच अनार के जूस में मिक्स करना होगा। इसके बाद इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। ऐसा करने के बाद इसे एक अपने चेहरे पर लगा लें। करीब 15 से 2० मिनट बाद आप इसे अपने चेहरे से साफ कर लें। इसके लिए आप कॉटन की मदद लें। ऐसा हफ्ते में आप कम से कम 2 से 3 बार तक कर सकती हैं। लगातार इसका इस्तेमाल करने से आपका चेहरा खिला-खिला दिखाई देने लगेगा।

अनार और ग्रीन टी का फेस पैक

पिंपल्स और मुहांसों से राहत पाने के लिए अनार के दानों को ग्राइंड करके उसमें दो चम्मच दही एक बड़ा चम्मच शहद और ग्रीन टी का एक छोटा पैकेट मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। सभी इंग्रेडिएंट्स का पेस्ट बनाकर चेहरे पर कम से कम 3० मिनट के लिए अप्लाई कर लें और बाद में 5 से 1० मिनट मसाज करके ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें।

अनार और शहद का फेस पैक

अनार और शहद दोनों ही चेहरे पर ग्लो लाने का काम करते हैं। यह फेस पैक त्वचा में क्लींसर का काम करता है और चेहरे पर मौजूद पोर्स को साफ करने के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के लिए सबसे पहले आप 1 चम्मच शहद और 3 चम्मच अनार का जूस एक बाउल में लेना होगा। ऐसा करने के बाद आपको इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स करना होगा। मिक्स करने के बाद आप इस पैक को अपने चेहरे पर लगा लें। कम से कम 2० मिनट के बाद आप इस फेस पैक को कॉटन की मदद से साफ कर लें। ऐसा करने के बाद आप अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें ताकि शहद और अनार का चिपचिपा पन निकल जाएं। इस फेस पैक का इस्तेमाल आप हफ्ते में करीब 2 बार कर सकती हैं।

अनार और ओटमील का फेस पैक

ओटमील में एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं इसके अलावा यह एक बेहतरीन स्क्रब की तरह भी कार्य करता है। इसका फेस पैक बनाने के लिए अनार को छील कर इसके दाने निकाल लीजिये। अब इन दानो को पीस कर पेस्ट बना लजिए और इसमें ओटमील पाउडर को मिक्स कर लीजिये। आप चाहें तो इसमें एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 3० मिनट बाद चेहरा पानी से धो लीजिये।

अनार और कोको पाउडर का फेस पैक

अनार और कोको पाउडर दोनों में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती है जिनका इस्तेमाल करने से स्किन टाइट और जवां रहती है। अनार के दानों का स्मूद पेस्ट बनाकर उसमें कोको पाउडर को पानी से मिक्स कर लें। इस फेस मास्क को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और सूखने के बाद ठंडे पानी से साफ करें।

अनार और नींबू का फेस पैक

ऑयली स्किन वालों के लिए मुंहासे की समस्या आए दिन होती रहती है। ऐसे में अनार और नींबू का रस दोनों ही फायदेमंद है। यह न सिर्फ मुंहासे की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं बल्कि दाग, निशान से निजात दिलाने में मदद करेंगा। इसके लिए लिए नींबू और अनार का रस बराबर मात्रा में मिला लें और इस मिश्रण को अपनी त्वचा पर 15 से 2० मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। समय पूरा होने पर ठंडे पानी से साफ कर लें। अनार में एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते हैं जो न सिर्फ रोमछिद्रों खोल देते हैं बल्कि त्वचा को अंदर से साफ करते हैं। हेल्दी त्वचा पाने के लिए अनार के फेस मास्क के साथ इसे अपनी डाइट में भी शामिल करें।

शब्द सामर्थ्य -093

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

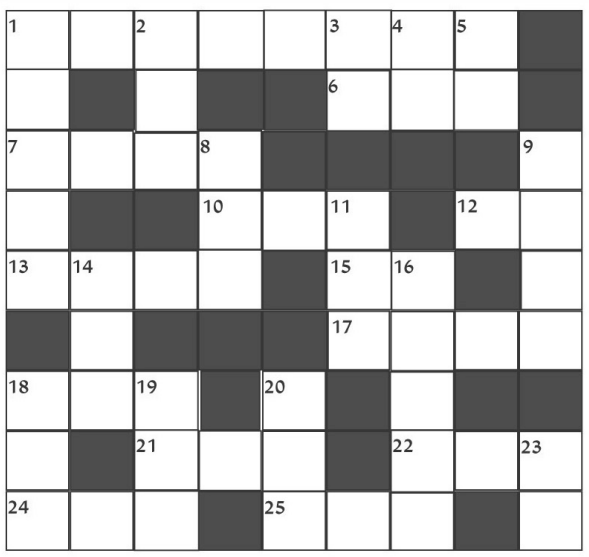

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 92 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		स
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				तौं			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

एल्नाज नोरोजी ने कंधार में जेरार्ड बटलर के साथ काम करने का अनुभव साझा किया

ईरानी-जर्मन मॉडल और अभिनेत्री एल्नाज नोरोजी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट 'कंधार' में स्कॉटिश अभिनेता और फिल्म निर्माता जेरार्ड बटलर के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। जेरार्ड ने एक मिशन के दौरान अफगानिस्तान में फंसे सीआईए ऑपरेटिव टॉम हैरिस की भूमिका निभाई है। एल्नाज ने कहा : जेरार्ड के साथ काम करना न केवल एक निर्माता के रूप में, बल्कि सह-कलाकार के रूप में भी जादुई था, वह बहुत मजेदार और शीर्ष पर सुपर अच्छा है। 'कंधार' एक ऐसा अनुभव है, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। एल्नाज पाकिस्तानी फिल्म 'मान जाओ ना' और हिंदी फिल्म 'हैलो चार्ली' में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। वह गुरु रंधावा के साथ म्यूजिक वीडियो 'मेड इन इंडिया' और वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में भी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने जेरार्ड के कामों के लिए अपनी पसंद को साझा किया, जिसमें 'टुमॉरो नेवर डाइज', 'टेल ऑफ द ममी', 'टाइमलाइन', अन्य शामिल हैं और कहा : मुझे याद है कि मैं जेरार्ड की फिल्में देखती थी और मैं उस पर क्रश हुआ करती थी क्योंकि मैं रिक सर का भी आभारी हूं कि उन्होंने फिल्म के माध्यम से हमें इतनी अच्छी तरह से मार्गदर्शन किया। मैं एक हॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत खुश हूं। 'कंधार' का निर्देशन रिक रोमन वॉ ने किया है। इस फिल्म में नावीद नेगहबान, अली फजल, बहादोर फौलादी, ट्रैविस फिमेल भी हैं।

रिवीलिंग ड्रेस में मौनी रॉय ने दिखाई अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ना सिर्फ अपने एक्टिंग स्किल्स बल्कि अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि बीती रात एक 'स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में एक्ट्रेस ने शिरकती की थी। जहां उनका हॉट लुक्स फैंस के बीच छा गया था। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय को 'स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में स्पॉट किया था जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही यूनिक लुक को चुना था। बता दें कि मौनी रॉय ने फेमस डिजाइनर डॉली जे के कलेक्शन से पिंक और सिल्वर कलर का ब्राइडल कॉलम गाउन केरी किया था। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में मौनी रॉय बेहद ही स्टनिंग और हॉट लग रही थीं कि उनसे नजरें तक हटा पाना मुश्किल हो गया था। ओपन स्ट्रेट हेयर और न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस मौनी रॉय खुद को खूबसूरत और ग्लैमरस प्रेजेंट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अफने इस लुक से भी एक बार फिर फैंस के छक्के छुड़ा दिए हैं। बता दें मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

जंपसूट में नेहा मलिक ने तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल अपनी तरफ अट्रेक्ट करती रहती हैं। एक्ट्रेस जह भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो सोशल मीडिया पर सनसनी मचा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने फैशन सेंस और ग्लैमरस अदाओं के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट तस्वीरों में मल्टीकलर सीक्वेंस वर्क जंपसूट पहना हुआ है। एक्ट्रेस का ये लुक फैंस को बेहद ही शानदार लग रहा है। फैंस भी उनकी तारीफों के पुल बांधते हुए नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक कैमरे के सामने बैठकर बेहद ही सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। अभिनेत्री की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है और सोशल मीडिया पर नेहा मलिक काफी एक्टिव रहती हैं।

हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल में स्पाइ बनी हैं प्रियंका चोपड़ा

कुछ समय पूर्व हिन्दी फिल्मों की अभिनेत्री रही प्रियंका चोपड़ा ने अपने एक बयान में बॉलीवुड को लेकर कहा था कि उन्हें वहाँ पर काम नहीं मिल रहा था। कुछ लोगों ने उन्हें प्रतिबंधित करने के साथ ही अन्य लोगों पर दबाव डलवाकर प्रतिबंधित कर दिया था, जिसके चलते उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। अपने इन खुलासों के कारण प्रियंका चोपड़ा खासी चर्चाओं में हैं। अभी उनकी चर्चाएँ समाप्त भी नहीं हुई थी कि अब वे अपनी स्पाइ एक्शन वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर खबरों में हैं।

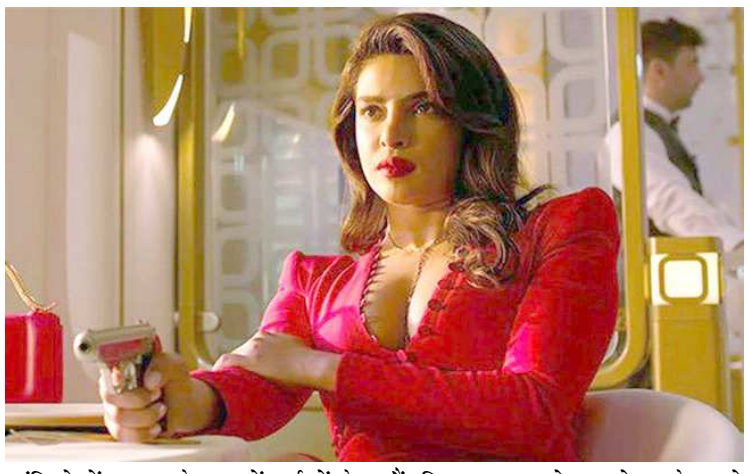

इन चर्चाओं के बीच अब सिटाडेल का नया ट्रेलर जारी किया गया है, जिसमें कहानी की कुछ और परतें खोलने की कोशिश की गयी है। सिटाडेल 28 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। अमेजन स्टूडियोज और रुसो ब्रदर्स के एजीबीओ रचित सिटाडेल को एंथोनी रूसो, जो रूसो, माइक लारोका, एंजेला रूसो-ओटस्टॉट और स्कॉट नेम्स ने प्रोड्यूस किया है।

रूसो ब्रदर्स मार्वल स्टूडियो की एवेंजर्स फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिटाडेल प्रियंका की दूसरी हॉलीवुड सीरीज है, जिसमें वो स्पाइ बनी हैं। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा चांटिको में जासूस के रूप में दर्शकों के सामने आ चुकी हैं।

सिटाडेल वर्तमान और अतीत में सफर करती है। आठ साल पहले यह एक इंडिपेंडेंट ग्लोबल स्पाइ एजेंसी थी, जिसे लोगों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था, मगर एजेंसी को विलेन मांटीकोर के लोगों ने खत्म कर दिया। यह एक पावरफुल सिंडिकेट है। सिटाडेल के खत्म होने के साथ, एलीट एजेंट मेसन केन (रिचर्ड मैडेन) और नादिया सिंह (प्रियंका चोपड़ा जोनस) की यादें भी मिटा दी गयीं, क्योंकि वे बच जाते हैं। हालांकि, वे तब से छिपे हुए हैं और नई पहचान के साथ नया जीवन शुरू करते हैं, जो अपने अतीत से अनजान हैं। फिर अचानक मेसन को उसके पुराने सिटाडेल सहयोगी बर्नार्ड ऑरलिक (स्टेनली टुकी) द्वारा ट्रैक किया जाता है, जिसे मांटीकोर को एक नया वर्ल्ड ऑर्डर स्थापित करने से रोकने के लिए उसकी मदद की सख्त जरूरत है। मेसन अपनी पुरानी साथी नादिया की तलाश करता है और दो जासूस एक मिशन पर निकल पड़ते हैं।

सिटाडेल एक हाइ ओक्टेन एक्शन वाली स्पाइ सीरीज है, जिसमें प्रियंका खुद स्पाइ के रोल में हैं। उनके साथ रिचर्ड मैडन लीड रोल में हैं। स्टेनली टुकी और लेस्ली मैनविल भी प्रमुख किरदारों में हैं। इनके कैरेक्टर लुक्स भी जारी किये गये हैं।

वजन ज्यादा होने की वजह से कई प्रॉजेक्ट्स से धोना पड़ा हाथ : नंदिनी शर्मा

शो फालतू में रिया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस नंदिनी शर्मा ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों को याद किया और बताया कि कैसे उन्हें अधिक वजन के कारण रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने वजन के कारण साउथ प्रोजेक्ट में लीड रोल का ऑफर गंवाने के बारे में बताया।

उन्होंने कहा: स्ट्रगल एक एक्टर के जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन जब रिजेक्शन से डील करने की बात आती है, तो यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। मैं ऐसा इसलिए कह सकती हूं, क्योंकि मैंने अपने वजन के कारण कई प्रोजेक्ट खोए हैं और उस चीज ने मुझे बहुत डिमोटिवेट किया। कई बार तो मुझे ऑडिशन देने से पहले ही रिजेक्ट कर दिया जाता था। मुझे

याद है कि मैं साउथ के एक बड़े प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड थी, लेकिन मुझे लीड रोल के लिए मना कर दिया गया, वजह मेरा वजन था।

नंदिनी, जिन्होंने वेब सीरीज- जांबाज हिंदुस्तान के में भी काम किया है, ने कहा कि वजन के चलते मिल रहे रिजेक्शन का उन पर काफी बुरा असर पड़ा था।

उन्होंने कहा, रिजेक्शन वास्तव में मुझे निराश करता था। मैं वजन कम करती रहती हूं, लेकिन इसमें फिट होना एक मुश्किल जर्नी है। धीरे-धीरे, मैंने रिजेक्शन से डील करना सीख लिया, लेकिन कभी भी ऑडिशन देना बंद नहीं किया क्योंकि मुझे एक्ट्रेस बनने का शौक था। आज भी मैं अपनी डाइट पर कंट्रोल करती हूं और हर दिन वर्कआउट करती हूं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अभिनेताओं को उनके लुक्स या वजन के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

मुझे लगता है कि यह सही समय है कि एक्टर्स को सुंदरता के विभिन्न मानकों पर नहीं आंका जाना चाहिए। इस तरह के रिजेक्शन एक व्यक्ति को बहुत अधिक प्रभावित करते हैं।

सामंथा और विजय की कुशी 1 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपनी आगामी फिल्म कुशी को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। अब फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। निर्माताओं ने ऐलान किया कि फिल्म कुशी 1 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही निर्माताओं ने कुशी का पोस्टर साझा किया है, जिसे देख सामंथा और विजय के प्रशंसकों का उत्साह बढ़ गया है।

सामंथा ने कुछ दिन पहले कुशी की शूटिंग शुरू की है और जल्द ही दर्शकों को पर्दे पर सामंथा और विजय की जोड़ी देखने को मिलेगी। कुशी एक पैन इंडिया फिल्म है। ऐसे में यह फिल्म हिंदी सहित तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। सामंथा की पेशेवर जिंदगी की बात करें तो वह आने वाले दिनों में वह कुशी के साथ-साथ सिटाडेल, चेन्नई स्टोरी, प्रोडक्शन 30 और शाकुंतलम में नजर आएंगी।

सिंधु-गंगा घाटी का कड़ाव कितना उबलेगा ?

हरिशंकर व्यास

बहरहाल मसला है सिंधु-गंगा घाटी के 70 करोड़ लोगों के भविष्य में भीषण गर्मी की क्या तस्वीर है? लोग क्यों कड़ाव में उबलेंगे? एक उपन्यासकार किम स्टेनली रॉबिन्सन ने जलवायु परिवर्तन पर एक किताब लिखी है। शीर्षक है 'द मिनिस्ट्री फॉर द फ्यूचर'। यह किताब सन् 2020 में बेस्टसेलर थी। इसने मौसम बिगड़ने के भयावह परिणामों के सिनेरियो में लू की चपेट में आए भारत के एक छोटे शहर की कल्पना की है। शहर की सड़कें खाली। एयरकंडीशन कमरों में गर्मी के कड़ाव से तौबा किए लोगों की जमा भीड़। वही छतों पर प्राण लायक सांस लेने की आस में मरे लोगों की लाशें। बिजली ग्रिड फेल और अव्यवस्था व अराजकता में भटकते-भागते लोग। उत्तर भारत में सप्ताह भर में कोई दो करोड़ लोगों की मौत। किताब का यह यह भविष्य का सिनेरियो है। समसामयिक संदर्भ में विज्ञान पत्रिका 'लैंसेट' ने अपने एक अध्ययन में बताया है 2000 और 2019 के बीच, प्री-मॉनसून गर्म मौसम, में गर्मी से कोई एक लाख दस हजार अतिरिक्त मौतें थीं।

कह सकते हैं। कुछ नहीं यह कोई संख्या है। बिजली कड़कने, बाढ़, लू, सांप काटने जैसी छोटी बातों से ही भारत में असंख्य रूटिन मौतें होती हैं। तो गर्मी के कड़ाव में भी हम भारतीय जिंदा बचे रहेंगे। लेकिन जलवायु परिवर्तन की वैश्विक घटनाओं के बढ़ते अनुभवों में दक्षिण एशिया को ले कर वैज्ञानिक जो सोचते हैं वह रियलिटी में तस्वीर है। तथ्य है कि 70 करोड़ की आबादी का सिंधु-गंगा मैदान पृथ्वी का सबसे गरीब, घनी आबादी और सबसे गर्म इलाका तो ऐसा होना जलवायु परिवर्तन से बढ़ने वाली गर्मी के लिए असाधारण रूप में बहुत अनुकूल है। आने वाले महीनों में इसकी शुरुआती झलक मिल सकती है। ध्यान रहे 1901 के बाद इस साल दिसंबर व फरवरी भारत के सर्वाधिक गर्म महीने थे। वैज्ञानिक गर्मी की मार या तेज (ह्यह्लह्द्ग्ह्य) को तापमान और नमी याकि ह्यूमिडिटी के कंबीनेशन के वेट-बल्ब में मापते हैं। इसका 37 डिग्री का वेट-बल्ब का तापमान स्तनधारी प्राणियों के लिए पसीने के माध्यम से गर्मी छोड़ना मुश्किल बना देता है। वैज्ञानिकों के अनुसार लगभग 31 डिग्री सेल्सियस के वेट-बल्ब की गर्मी शरीर के पसीने से सूप जितनी गर्म हवा जैसे बाहर निकलती है। शरीर में भीतर-भीतर इस वेट-बल्ब का ताप दिमाग और दिल तथा किडनी के फेल होने की संभावना बढ़ाता है। 35 डिग्री सेल्सियस के वेट-बल्ब तापमान में लोगों के लगातार रहने, उसमें जिंदगी की अवस्था रॉबिन्सन के अनुसार घातक है। ध्यान रहे नवंबर में विश्व बैंक ने यह चेतावनी दी है कि भारत वह देश है जहां वेट-बल्ब का 35 डिग्री सेल्सियस का तापमान अब नियमित होता हुआ है। मतलब जीवन सरवाइव सीमा से अधिक। तभी सवाल है कि सिंधु-गंगा घाटी के लोगों का शरीर कितना बरदात कर सकता है? पिछले साल पाकिस्तान के जैकोबाबाद शहर में हवा का तापमान 51 डिग्री जा पहुंचा था। आधी आबादी इधर-उधर भागी। वहा 42 डिग्री के तामपान पर भी जुताई-बुवाई करना जान को आफत थी।

एक और तथ्य। भारतीय मौसम विभाग ने दो दशकों से साल में औसतन 23.5 हीटवेव की चेतावनी दी। 1980 और 1999 के बीच के यह अनुभव 9.9 के वार्षिक औसत से दोगुने से अधिक हैं। 2010 और 2019 के बीच हीटवेव की घटनाओं में एक चौथाई से अधिक बढ़ोतरी हुई है इसके चलते गर्मी से संबंधित मृत्यु दर में 27 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। पिछले साल सन् 2012 की तुलना में हीटवेव के दिनों का अनुभव दोगुना अधिक था। वैश्विक मौसम एट्रिब्यूशन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन ने पिछले साल की हीटवेव को 30 गुना अधिक बना दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सन् 1900 से 2018 के बीच में भारत का औसत वार्षिक तापमान 0.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। इसने हीटवेव को बड़ा और अधिक लगातार बनाया है। घातक बात यह है कि शहरों में दो प्रतिशत अधिक तापमान होता है बनिस्पत देहाती इलाके के। क्रंकीट के जंगल और इनमें झुग्गी-झोपड़ में हवा का घूमना, चलना कम होने से गर्मी मानो उबलती सी।

यह सत्य है कि उत्तर भारत में देहात-कस्बों, झुग्गी झोपड़ियों की आबादी पूरी तरह गर्मियों में मजदूरी, मनरेगा की श्रमिक गतिविधियों से गुजर-बसर करती है। सवाल है मजदूर बढ़ती गर्मी में दिन में काम किस सीमा तक बरदाश्त करता रहेगा? इसका फिर पूरी आर्थिकी पर क्या असर होगा?

यदि जलवायु परिवर्तन ने दो डिग्री तापमान बढ़ाया जो कि बढ़ने वाला है तो दक्षिण एशिया में 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक वेट-बल्ब तापमान का लगातार होना तय है। यह लोगों के लिए थोक में नुकसानदायी होगा। इससे खेती, पशुपालन, मजदूरी से लेकर बिजली सप्लाई सब गड़बड़ाएगी।

मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट ने भारत की श्रम शक्ति पर सन् 2000 में गर्मी के असर की एक रिपोर्ट दी है। इस अनुसार 1980 से पहले भारत में अत्यधिक गर्मी में आउटडोर दोपहर के वर्किंग घंटों का नुकसान अधिकतम कुल 10 प्रतिशत था वह उसके बाद बढ़ते हुए अब 15 प्रतिशत है। कुछ इलाकों में यह सन् 2050 तक दोगुना हो जाएगा। सन् 2017 में हीट-एक्सपोज़्ड काम का भारत की जीडीपी में 50 प्रतिशत था और श्रम बल का कोई 75 प्रतिशत काम। यह 38 करोड़ लोगों को रोजगार देता हुआ था।

सन् 2030 तक गर्मी में काम करने के योगदान से जीडीपी का 40 प्रतिशत हिस्सा होगा। जाहिर है खोए हुए काम के घंटों की बढ़ती संख्या से जीडीपी में 2.5-4.5 प्रतिशत या 150 से 250 अरब डॉलर के नुकसान की जोखिम है। विश्व बैंक ने भी पिछले साल चेतावनी दी थी कि जलवायु परिवर्तन के कारण पाकिस्तान की जीडीपी में 6.5-9 प्रतिशत नुकसान हो सकता है। आखिर बाढ़ हो या हीटवेव सबके बढ़ने से खेती और पशुपालन दोनों में पैदावार कम ही होनी है। इंफ्रास्ट्रक्चर का नुकसान, मजदूरी और उत्पादकता का कम होना तो सेहत की अलग समस्याएं। वैसे यह चौंकाने वाली बात लगेगी कि पिछले साल क्यों हीटवेव में मौत कम हुई? शुरुआती अनुमानों में भारत में सिर्फ 90 मौत थी। इसलिए क्योंकि पिछले साल हवा में नमी मतलब हीटवेव विशेष आर्द्रता लिए हुए नहीं थी। शरीर को खतरा ह्यूमिडिटी वाली हीटवेव से है। वैज्ञानिक सिंधु से गंगा डेल्टा के मैदान के 70 करोड़ लोगों की चिंता में इसलिए हैं क्योंकि नदी घाटी में तेज-तीखी धूप के साथ उसमें नमी, ह्यूमिडिटी के वेट-बल्ब की रियलिटी है। दक्षिण में सूखी गर्मी पड़ती है, वहां हवा में आर्द्रता कम होने से वहां का संकट अलग है, जबकि उत्तर भारत का अलग। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च ने भी अपने अध्ययन से चेतावनी दी है कि हम लोग आर्द्रता की भूमिका को नजरअंदाज करके गर्मी की चिंता करते हैं। इससे गरीब जनता के खतरों की अनदेखी होती है। जबकि खतरे कमजोर समूहों को ही अधिक हैं। उनको फोकस में रखकर बचाव के काम होने चाहिए।

कुल मिलाकर गंगा के मैदान में भीड़-भाड़ वाले गरीब इलाकों में गर्मियों में हफ्तों जिंदगी साल-दर-साल बहुत मुश्किल होती जानी है। सरकारों को सर्दियों में रैन-बसेरे के साथ अब गर्मियों से बचाने के लिए ठंठे टेंट या शीतगृह बनाने शुरू कर देने चाहिए।

सोचें, लंदन की पत्रिका इस तरह सोचते और चिंता करते हुए है। मगर भारत में सरकार और मीडिया में इस तरह चिंता करना कभी संभव है कि हम कितनी गर्मी बरदाश्त कर सकते हैं? कितनी भूख, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अशिक्षा बरदाश्त कर सकते हैं। पूरी सभ्यता ही जब बरदाश्त करते-करते कथित विश्व गुरू के डीएनए बनवाए हुए है तो दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन में भी ज्यादा बरबाद कल होता हो तो आज हो किसे फर्क पड़ता है?

सू- दोकू क्र.093

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.92 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

विपक्ष में पंचायत शुरू है

विपक्षी पार्टियों का मोर्चा बनने से पहले ही बिखरने लगता है। हर बार संसद का सत्र खत्म होने के बाद एक बार बिखराव दिखता है और फिर पंचायत करके विपक्षी पार्टियों को एक किया जाता है। अभी फिर पंचायत चल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार, एमके स्टालिन और उद्धव ठाकरे को फोन किया था, जिसके बाद सुलह सफाई का प्रयास तेज हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचे हैं ताकि विपक्षी पार्टियों के नेताओं से बात करके उन्हें भाजपा के खिलाफ एकजुट करने के लिए तैयार किया जाए। वे लालू प्रसाद से मिले हैं और उसके बाद खड़गे से भी उनकी मुलाकात हुई है। अब वे बाकी नेताओं से मिलेंगे या फोन पर बात करेंगे। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के बीच पंचायत का काम नीतीश कुमार कर सकते हैं। देश की समाजवादी पार्टियों के साथ नीतीश के संबंध पुराने और अच्छे हैं।

उधर अदानी समूह की जेपीसी जांच को लेकर विपक्ष की पार्टियों से अलग राय जाहिर करने वाले शरद पवार अपनी बात से पीछे हट गए हैं। उन्होंने पहले कहा था कि जेपीसी की जांच से कुछ हासिल नहीं होगा, यह मांग गलत है। लेकिन अब उन्होंने कहा है कि अगर सहयोगी पार्टियां जेपीसी जांच चाहती हैं तो उनको दिक्कत नहीं है। उन्होंने चित भी मेरी पट भी मेरी वाला खेल कर दिया है। इस घटनाक्रम के बीच मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगी संजय राउत ने शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले से मुलाकात की।

हालांकि अजित पवार का इस मीटिंग में नहीं होना भी एक खटकने वाली बात है क्योंकि वे पिछले कुछ दिनों से लगातार केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे हैं। बहरहाल, पवार परिवार के अंदर की राजनीति चाहे जो हो लेकिन विपक्ष की पार्टियों के साथ एनसीपी के संबंध सुधार की कोशिश हो रही है। (आरएनएस)

रिया चक्रवर्ती बनीं एमटीवी रोडीज 19 में गैंग लीडर

रिया चक्रवर्ती लगभग 3 साल बाद पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह जल्द एमटीवी रोडीज के आगामी सीजन 19 में गैंग लीडर के रूप में नजर आएंगी। इस सीजन को अभिनेता सोनू सूद होस्ट करने वाले हैं और शो के 3 गैंग लीडर के रूप में रिया, प्रिंस नरूला, गौतम गुलाटी का नाम सामने आया है। रिया ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एमटीवी रोडीज 19 का प्रोमो भी साझा किया है, जिसमें वह बेखौफ अंदाज में नजर आईं।

वीडियो में रिया कहती हैं, आपको क्या लगा मैं वापस नहीं आऊंगी। डर जाऊंगी। डरने की बारी किसी और की है। मिलते हैं ऑडिशंस पर। एमटीवी रोडीज 19 का हिस्सा बनने पर रिया ने कहा, मैं एमटीवी रोडीज कर्म या कांड का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, यह बहुत पॉपुलर रियलिटी शो है। एमटीवी के साथ काम करना घर वापसी जैसा लगता है।

रिया की पेशेवर जिंदगी के बारे में बात करें तो उन्हें पिछली बार फिल्म चेहरे में देखा गया था। इसके अलावा रिया मेरे डैड की मारुति, जलेबी, हाफ गर्लफ्रेंड और बैंक चोर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। बता दें, साल 2020 में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद अभिनेता के परिवार ने रिया को बेटे की मौत का जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद ड्रग्स मामले में रिया जेल में भी रहीं थीं।

'देवभूमि उत्तराखंड का देवत्व ही हमारी पहचान'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति, संस्कारों, रीति रिवाजों के संरक्षण और संवर्धन से ही सही मायने में उत्तराखंड राज्य की पूर्णता होगी।

यह उद्गार सुनील उनियाल गामा मेयर देहरादून ने आज बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक ओएनजीसी में संस्कार परिवार देवभूमि ट्रस्ट और दून योग पीठ देहरादून द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बृहद रिवर्स पलायन संवाद (द्वितीय चरण) और 8 वे दून योग महोत्सव के उदघाटन समारोह में व्यक्त किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री डा माधुरी बड़थ्वाल और महिला पॉलीटेक्निक की छात्राओं के मांगल गीतों के साथ मुख्य अतिथि सुनील उनियाल गामा, आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी विशिष्ठ अतिथि गढ़वाल सभा के अध्यक्ष रोशन धस्माना, महायोगी जीतानंद जी महाराज सोबन सिंह जीना कुमाऊ विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के योग विभागाध्यक्ष डा0 नवीन भट्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया। आभियान के सूत्रधार संस्कार परिवार देवभूमि ट्रस्ट के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने अपने संबोधन में कहा देवभूमि उत्तराखंड का देवत्व ही हमारी पहचान है। प्रकृति ने मुक्त हस्त से देवभूमि उत्तराखंड को हिमालय, शुद्ध और प्राकृतिक वातावरण गंगा यमुना जैसी पवित्र नदियां, हजारों प्रजाति की बहुमूल्य आयुर्वेदिक बनस्पतियां और देव तुल्य लोग लोग दिए हैं। ऋषिकेश से पधारे 72 साल के महायोगी जीतानंद जी महाराज, हरिद्वार से पधारे योग साधक सौरभ, निर्वाणा योगशाला की नन्ही योग साधिकाएं कुहू और अनुशिका जोशी ने सुन्दर योग मुद्राएं प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर तिरंगे गुब्बारे उड़ाए गए, मेयर को 21 पीपल वृक्ष पूरे नगर निगम क्षेत्र में लगाने के लिए भेंट किए गए। कार्यक्रम में डा0 मथुरा दत्त जोशी, भारती पांडे,डा0 सूर्य प्रकाश भट्ट, पॉलीटेक्निक के चेयरमैन हर्षमणि व्यास, विजय जुयाल , रश्मि बत्रा , योगी विक्रम, जितेन्द्र मलिक आदि का विशेष सहयोग रहा।

टिहरी में मेडिकल कालेज की स्थापना का मामला आगे बढा: किशोर

नई टिहरी (सं)। विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी की आख्या के पश्चात मेडिकल कालेज की स्थापना का कार्य आगे बढेगा।

टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा टिहरी में मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए राष्ट्रीय आर्युविज्ञान आयोग नई दिल्ली के नवीन मानको के परीक्षण क पश्चात अपनी आख्या आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दी है। जिससे मेडिकल कालेज का मसला कुछ आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से राज्य स्तर तक अग्रसारित हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मन्त्री, मुख्यमंत्री व प्रदेश के स्वास्थ्य मन्त्री से व्यक्तिगत रूप से मिलकर वह अनुरोध कर चुके हैं। सभी के सकारात्मक विचार हैं। आशा है, शीघ्र मेडिकल कालेज पर कार्य आरम्भ होगा। उसको ज्ञात हुआ है कि उनके साथी प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने भी मुख्यमंत्री से नई टिहरी में मेडिकल कालेज की स्थापना का अनुरोध किया है।

इंतजार खत्म: चार धाम यात्रा शुरु

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

धामी ने कहा कि किसी भी यात्री को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसके हर संभव प्रयास सरकार द्वारा किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु चार धाम यात्रा पर आएंगे सभी को देव दर्शन कराए जाएंगे, कोई भी यात्री बिना दर्शन किए वापस लौट कर नहीं जाएगा। यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण दर्शन में कुछ विलंब हो सकता है लेकिन दर्शन सभी को होंगे। उन्होंने कहा कि यात्रियों को भी व्यवस्थाए बनाए रखने में सहयोग करने की जरूरत है। यात्री अपना रजिस्ट्रेशन और हेल्थ चेकअप जरूर कराएं साथ ही गर्म कपड़ों की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही यात्रा पर जाएं किसी तरह की दिक्कत होने पर हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। मुख्यमंत्री ने आज ऋषिकेश से दर्जनों बसों को हरी झंडी दिखाई वहीं हरिद्वार के माया मंदिर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के बाद चार धाम यात्रा के लिए रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि अब तक चार धाम यात्रा के लिए 16 लाख से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। सरकार द्वारा इस बार सभी श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे वहीं बाबा केदार धाम के कपाट 25 अप्रैल को तथा बद्रीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को खोले जाएंगे। सीएम धामी ने कहा है कि भगवान केदार व बद्री भगवान की कृपा हम सभी पर बनी रहे सभी की यात्रा व मनोकामना सफल व पूरी हो।

28 मई को आयोजित होगा विवाह योग्य वैश्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारतीय वैश्य महासंघ महानगर देहरादून द्वारा उत्तरांचल प्रेस क्लब देहरादून सभागार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

भारतीय वैश्य महासंघ के देहरादून महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल ने बताया कि भारतीय वैश्य महासंघ का गठन वर्ष 2015 में वैश्य समाज (जिसमें लगभग वैश्य समाज की 400 उपजातियां सम्मिलित हैं) के उत्थान व वैश्य समाज की सभी उपजातियों को एक मंच पर एकत्रित करने तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। उसी दिशा में भारतीय वैश्य महासंघ निरंतर प्रयत्नशील रहा है। भारतीय वैश्य महासंघ गत 8 वर्षों से रचनात्मक कार्यों के द्वारा अपने उद्देश्य का निर्वहन निरंतर करता चला आ रहा है। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष होली मिलन, तीज महोत्सव और दीपावली के पावन पर्व पर मां लक्ष्मी की महाआरती जैसे लोकप्रिय और भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते रहे हैं। ऐसे ही रचनात्मक कार्यों की कड़ी में वैश्य महासंघ द्वारा आगामी 28 मई 2023 को विवाह योग्य वैश्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिस के संबंध में भारतीय वैश्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री विनय गोयल जी ने विस्तृत रूप से पत्रकार साथियों के साथ चर्चा कर विषय रखा।

प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि इस वर्ष महानगर देहरादून से हमारे समाज की कन्या कुमारी आकांक्षा गुप्ता द्वारा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चतुर्थ रैंक प्राप्त कर हमारे महानगर देहरादून का नाम रोशन किया है।जो कि वैश्य समाज के लिए गर्व की बात तो है ही,साथ ही साथ ऐसी छात्र छात्राओं को संस्था द्वारा सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाता रहा है। इसी प्रकार समाज की किसी भी गरीब कन्या के विवाह हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता रहा है। इसी कड़ी में पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा दिनांक 28 मई 2023 को छठवां वैश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें वैश्य समाज के विवाह योग्य युवक-युवती अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर विवाह के लिए अपना योग्य जीवनसाथी चुन सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले युवक-युवतियों का विवरण स्मारिका (जो कि समस्त भारतवर्ष में प्रसारित की जाती है) में प्रकाशित किया जाएगा। युवक-युवतियों को भी इस स्मारिका की एक प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को इस वर्ष भी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग 700 युवक-युवतियों द्वारा अपना रजिस्ट्रेशन करा कर परिचय सम्मेलन में भाग लिए जाने की संभावना है इस सम्मेलन के माध्यम से सभी युवक-युवती अपना योग्य जीवनसाथी का चुनाव कर सकते हैं। सम्मेलन में लगभग 300 युवक-युवतियों के रजिस्ट्रेशन संस्था द्वारा अभी तक किए जा चुके हैं। और लगभग 700 युवक-युवतियों द्वारा रजिस्ट्रेशन करवाए जाने की संभावना है। परिचय सम्मेलन को सफल बनाने में पत्रकार साथियों का जिस प्रकार से पूर्व में सहयोग मिला है उसी प्रकार अब भी मिलेगा और निरंतर मिलता रहेगा ऐसी आशा है।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल के अतिरिक्त, प्रदेश संयोजक श्री राजेंद्र प्रसाद गोयल, देहरादून महानगर अध्यक्ष श्री विनोद गोयल, महानगर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रमा गोयल, महानगर महामंत्री विवेक अग्रवाल, महावीर प्रसाद गुप्ता, अजय गर्ग, सुधीर अग्रवाल, देवेंद्र गोयल, अनिल कुमार गोयल, विनीत सिंगल,राधेश्याम गोयल, ऊर्पेंद्र भोला, शिखर कुच्छल, संजय गर्ग, संजीव गुप्ता, नीरज गुप्ता, श्रीमती अरुण लता गोयल, श्रीमती अनू गोयल, श्रीमती मीनाक्षी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

पांच पेटी शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने पांच पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान वीरभद्र तिराहे पर एक आल्टो कार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से पांच पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अमित गोस्वामी पुत्र केवल कृष्ण गोस्वामी निवासी आदिति विहार खदरी रोड श्यामपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया गुरु अंगद देव जी व भगत धन्ना जी का प्रकाश दिवस

नगर संवाददाता

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में गुरु अंगद देव जी व भगत धन्ना जी का प्रकाश दिवस कथा -कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।

प्रात: नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई सतवंत सिंह ने आसा दी वार का शब्द 'धनु धंनु पिता धनु धंनु कुलु धनु धनु सु जननी जिनि गुरु जणिआ माइ, का गायन किया एवं गुरु घर के सेवक श्रीमान बावा परिवार जी के द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गये। स्त्री सत्संग सभा, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के द्वारा गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित श्री सुखमणि साहिब जी के पाठ किये गए ,हजूरी रागी जत्था भाई चरनजीत सिंह व भाई सतवंत सिंह ने गोपाल तेरा आरता। जो जन तुमरी भगति करते तिन के काज सवारता एवं दरसनि परसिऐ गुरु कै जनम मरण दुखु जाइ, का शब्द गायन किया गया।।

भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की,सरदार गुरबख्श सिंह राजन द्वारा गुरु साहिब जी व भगत धन्ना जी के प्रकाश पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने शीतल जल व प्रसाद ग्रहण किया, स्त्री सत्संग सभा, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की बीबीओ द्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व 23 मई 2023 तक श्री सुखमणि साहिब जी के पाठ प्रात: 8.15 से 9.30 बजे तक रोजाना किये जाएंगे।।

इस अवसर पर सरदार गुरबख्श सिंह जी राजन अध्यक्ष, सरदार जगमिंदर सिंह छाबड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,सरदार चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष,सरदार मंजीत सिंह,सरदार सतनाम सिंह जी, सरदार अमरजीत सिंह छाबड़ा,सरदार राजिंदर सिंह राजा, सरदार अरविन्दर सिंह जी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिये थापर की याचिका पर हाई कोर्ट की सरकार को अंतिम चेतावनी

संवाददाता

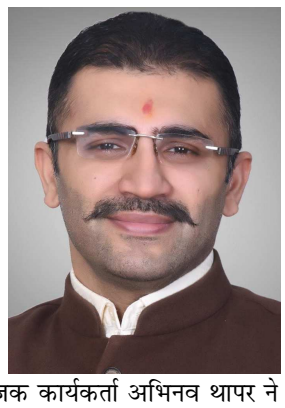

देहरादून। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बढाने सम्बन्धित जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार को अंतिम समय देते हुए अगली सुनवायी के लिए 14 जून की तिथि निहित की है।

उल्लेखनीय है कि 2021 में पूरे भारत मे कोरोना महामारी व उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की शिथिलता और पहाड़ में अन्य बीमारियों हेतु भी स्वास्थ्य सुविधाओं के आभाव के दृष्टिगत, अत: प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने हेतु कांग्रेस नेता व सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव थापर ने हाईकोर्ट नैनीताल में जुलाई 2021 पर जनहित याचिका दायर की जिसपर पर हाईकोर्ट ने 4 जनवरी 2023 को दोनों पक्षों को अंतिम अवसर दिया और चेतावनी देकर पुन: नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में याचिका पर अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर दिया । किंतु आज लगभग 2 दो वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार के आवास विभाग ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया । इस पर हाईकोर्ट ने गंभीरता से संज्ञान लिया और जनहित याचिका में उल्लेखित पहाड़ में स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु समस्त मांगों पर सरकार को दिशा-निर्देश दिये। अभिनव थापर ने हाईकोर्ट के समक्ष मुख्य बिंदु में आवास विभाग की हॉस्पिटल, नर्सिंग होम व स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान के वन टाइम सेटलमेंट- ओटीएस-2021 स्कीम में कमियों व क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट - सीईए से संबंधित है। इनके नियमों में शिथिलता से उत्तराखंड में हॉस्पिटल बेड की वर्तमान संख्या को घटने से रोकना व उनकी संख्या बढ़ाने का भी प्रावधान किया जा सकेगा। याचिका में पहाड़ी क्षेत्र में लिये विशेष शिथिलीकरण की मांग की गई है जिससे प्रदेश के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ सुविधाओं का अवसर बढ़ सके और पूरे प्रदेश को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। जनहित याचिका के हाईकोर्ट में अधि वक्ता अभिजय नेगी ने बताया कि आज सुनवाई के उपरांत हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विपिन सांघी व जस्टिस आलोक कुमार वर्मा युक्त पीठ ने सरकार को जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया, सरकार को सख्त दिशा-निर्देश दिए की अगले 4 हफ्ते में जवाब दाखिल किया जाय और कोर्ट ने अब फाइनल सुनवाई की तारीख 14 जून 2023 भी तय कर दी है। अभिनव थापर ने कहा कि मेरी मांगो पर सहमति जताने के लिए हाईकोर्ट का सादर आभार। सरकार लगभग 2 वर्षों से जवाब देने से भाग रही थी किन्तु उनके संघर्ष के बाद अंतत: सरकार को अब पहाड़ में स्वास्थ्य सुविधाओं बढ़ाने के लिये नियमों शिथलीकरण करना पड़ेगा जिससे उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

यात्रा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने कार्यों व व्यवस्थाओं की जानकारी ली

रुद्रप्रयाग (कासं)। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल, 2023 को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे जिसके लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा निरंतर समीक्षा करते हुए धरातल पर किए जा रहे व्यवस्थाओं एवं कार्यों की जानकारी ली जा रही है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अवगत कराया है कि विगत दो दिनों से मौसम खराब होने से केदारनाथ धाम व केदारनाथ यात्रा मार्ग में पिछले दो दिनों से बारिश एवं बर्फवारी के कारण की जा रही व्यवस्थाओं एवं कार्यों में व्यवधान हुआ है जिससे भैरव गदेरे के समीप ग्लेशियर आने के कारण यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया था तथा केदारनाथ धाम में कुछ पेयजल लाईनें, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त एवं बनाए जा रहे टैंट को क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि आज मौसम ठीक हो गया है तथा केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में व्यवस्थाओं को दुरस्त करने में लगे श्रमिकों द्वारा कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए बर्फ हटाने एवं व्यवस्थाओं को दुरस्त किया जा रहा है। उन्होंने अवगत कराया है कि केदारनाथ अवरुद्ध यात्रा मार्ग को आवागमन हेतु सुचारू कर दिया गया है तथा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को त्वरित गति से करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण हो सकें।

बाबा केदार व मां गंगा की उत्सव डोली धामों को रवाना

❑ श्रद्धालुओं का जोश, उत्साह उमड़ा चरम पर

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग/उत्तरकाशी। कल 22 अप्रैल से चार धाम यात्रा का विधिवत श्रीगणेश होने जा रहा है कल अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में मां गंगा अपने ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए गंगोत्री धाम में विराजमान होने जा रही है। परंपरानुसार गंगोत्री धाम के कपाट सबसे पहले और उसके बाद यमुनोत्री धाम के कपाट खुलते हैं। मां गंगा छह माह शीतकालीन प्रवास के दौरान अपने मायके मुखवा में रहती है। आज गाजे-बाजे और विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ उनकी चल विग्रह डोली मुखवा से गंगोत्री धाम के लिए रवाना की गई जो आज रात भैरव मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद कल गंगोत्री धाम पहुंचेगी वहीं उखीमठ के ओमकारेश्वर मंदिर से आज केदार बाबा की चल विग्रह पंच भरवा डोली को पूजा अर्चना के साथ केदारधाम के लिए रवाना किया गया। इस दौरान आज उखीमठ और मुखवा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब और जन उत्साह देखा गया। सेना के बैंड की धुनों पर थिरकते श्रद्धालु भावविभोर दिखे।

मां गंगा की डोली अपने शीतकालीन प्रवास के बाद आज 12:15 बजे गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुई परंपरा अनुसार पूजा-पाठ व मंत्रोच्चारण के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन और सेना के बैंड की धुनों के बीच मां गंगा को श्रद्धालुओं ने धाम को रवाना किया। मां गंगा की विग्रह डोली कल धाम पहुंचेगी तथा 12.35 बजे गंगोत्री मंदिर के कपाट खोले जाएंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। मां गंगा अगले 6 माह अपने भक्तों के दर्शनों के लिए यही धाम में विराजमान रहेंगी। मां गंगोत्री मंदिर को फूलों व लाइटों से सजाया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय गंगोत्री धाम में चारों ओर बर्फ ही बर्फ है। कल ही यमुनोत्री धाम के कपाट भी खोले जाएंगे।

●सेना के बैंड की धुनों पर झूमे श्रद्धालु
●मुखवा व उखीमठ में उत्सव का माहौल

उधर बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह डोली भी आज अपने 6 माह के शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ के ओमकारेश्वर मंदिर से केदारनाथ धाम रवाना हो गई है। इस दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और उमंग देखने को मिला। बद्री केदार समिति के सीईओ योगेंद्र सिंह के अनुसार बाबा की डोली आज गुप्तकाशी में रात्रि विश्राम करेगी तथा कल 22 को फाटा पहुंचेगी 23 को बाबा की डोली गौरीकुंड में रात्रि विश्राम करेगी तथा 24 की शाम केदारधाम पहुंचेगी और 25 अप्रैल को सुबह 6:20 पर केदारधाम मंदिर के कपाट विधि विधान के साथ खोले जाएंगे। इस अवसर पर बाबा के धाम की फूलों से विशेष सज्जा की गई है।

नशा युक्त समाज सामाजिक विकृति और बिखराव को पैदा करता है: डा. उभान

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। 'एन्टी ड्रग सेल' धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर के बैनर तले आज नशा मुक्त उत्तराखंड जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कॉलेज प्राचार्य प्रो. आर के उभान, एंटी ड्रग्स सेल की नोडल अधिकारी डॉ नूपुर गर्ग एवं विशेष अतिथि प्रो छाया चतुर्वेदी, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय पावकी देवी के संयुक्त नेतृत्व में छात्रों ,प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने एंटी ड्रग स्लोगन के नारों के साथ कालेज परिसर एवं कांडा गांव तक जन जागरूकता रैली को निकाला।

जन जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए प्रो उभान ने कहा कि नशा युक्त समाज, सामाजिक विकृति और बिखराव को पैदा करता है इसलिए ज्ञान और वैभव के लिए नशा मुक्त समाज आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर छाया चतुर्वेदी ने कहा कि नशा और विकास एक दूसरे के विरोधी है इसलिए विकास के लिए नशा मुक्त उत्तराखंड आवश्यक है।

जागरूकता रैली के बैनर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय , आजादी का अमृत महोत्सव, जी -20, वाई-20, कॉलेज की आइक्यूएसी समिति, उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं उत्तराखंड शासन के साझे प्रयास से इस मुहिम को चलाने का संकल्प प्रदर्शित किया गया है।

हाथों में एंटी ड्रग की तख्तियां लिए छात्र छात्राओं ने नशा मुक्ति जागरूकता के लिए नशा छोड़ो और छुड़वाओ, नशे की आदत मौत को दावत, नशा विनाश का मूल है आदि नारों से आसपास के वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

जागरूकता रैली में एंट्री ट्रक सेल के सदस्य डॉ विजय प्रकाश भट्ट, डॉ जितेंद्र नौटियाल, डॉ राकेश कुमार नौटियाल एवं प्राध्यापकों में डॉक्टर यूसी मैठाणी, डॉ चंदा नौटियाल ,डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल, डॉ सृचना सचदेवा, डॉ संजय, डॉ ईरा सिंह, डॉ शैलजा रावत, डॉ सपना कश्यप ,डॉ चेतन भट्ट, अजय पुंडीर, विशाल त्यागी एवं छात्रों में आकाश खत्री ,सूरज खत्री, आरती, सविता, सलोनी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस प्रकार कॉलेज एंटी ड्रग सेल द्वारा आयोजित रैली सफलता पूर्वक संपन्न हो गयी।

पुश्ता क्षतिग्रस्त करने पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। अज्ञात लोगों के खिलाफ एमडीडीए द्वारा निर्मित पुश्ते को तोडने का मुकदमा पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए के कनिष्ठ अभियंता सुरेन्द्र कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एमडीडीए कालोनी लोहियापुरम में एमडीडीए द्वारा जो पुश्ता निर्मित किया गया था, पास में ही मलिन बस्ती में रहने वाले कुछ लोगो द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।